संस्कृति बोध परियोजना

नियमावली एवं विवरणिका

वि.सं. २०८१ (सन् 2024-25), युगाब्द ५१२६

संस्थान की अखिल भारतीय गतिविधियाँ

- संस्कृति ज्ञान परीक्षा
- संस्कृति प्रवाह परीक्षा
- निबन्ध प्रतियोगिता
- संस्कृति महोत्सव
- कार्यशाला आयोजन
- विचार गोष्ठियों का आयोजन
- संस्कृति संग्रहालय
- शोध केन्द्र
- संगीत प्रशिक्षण केन्द्र
- साहित्य एवं चित्र प्रकाशन

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

राष्ट्रीय उपस्थिति का संस्थान

01744-251903, 270515 / 9812520301

sgp@samskritisansthan.org

www.samskritisansthan.com vidyabhartikurukshetra vidyabhartisss vbsss kkr

विषयानुक्रमणिका

क्र.	विषय	पृष्ठ क्रमांक
1.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा - भैया-बहिनों के लिए	2
2.	संस्कृति ज्ञान परीक्षा शुल्क सीधा बैंक में जमा कराने के लिए	4
3.	आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा - आचार्य वर्ग एवं अभिभावकों के लिए	8
4.	संस्कृति बोध अभियान - पूर्व छात्र, शिक्षक, प्रबंध समिति के सदस्य एवं सामान्य जन हेतु	10
5.	संस्कृति प्रवाह परीक्षा	11
6.	अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता - छात्र भैया-बहिनों के लिए	11
7.	अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता - आचार्यों के लिए	13
8.	विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव	14
	• अखिल भारतीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता	14
	• कथा-कथन प्रतियोगिता	21
	• आशु (तात्कालिक भाषण) प्रतियोगिता	22
	• मूर्तिकला प्रतियोगिता	23
	• लोकनृत्य प्रदर्शन	24
	• अखिल भारतीय पत्र-वाचन आचार्यों के लिए	25
	• विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव-परिचय पत्र	26
9.	साहित्य सूची	27
•	पंजीकरण प्रपत्र	

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

उद्देश्य :

विश्व में प्रत्येक देश अपनी संस्कृति, परम्पराओं, जीवन मूल्यों, ज्ञान-विज्ञान एवं महापुरुषों के अनुभवों को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में भावी पीढ़ी को शिक्षा के माध्यम से सौंपने का प्रयास करता है। भारत की महान् आध्यात्मिक संस्कृति, श्रेष्ठ परम्पराएँ, जीवन-मूल्य, महापुरुषों के आदर्श जीवन-चरित्र तथा यहाँ का ज्ञान-विज्ञान इस देश की ही नहीं, विश्व की अमूल्य-निधि हैं परन्तु अपनी इस अप्रतिम राष्ट्रीय निधि को भावी पीढ़ी को सौंपना तो दूर रहा, उससे परिचित कराने का कार्य भी स्वतंत्र भारत में ठीक प्रकार से नहीं हुआ। परिणामतः राष्ट्रीय स्वाभिमान-शून्यता एवं विदेशी संस्कृति के अन्धानुकरण की प्रवृत्ति समाज में बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

हमारी यह दृढ़ मान्यता है कि यदि हमारे छात्रों को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ अपनी महान संस्कृति, गौरवपूर्ण इतिहास, महापुरुषों के जीवन-चरित्र, श्रेष्ठ राष्ट्रीय परम्पराओं का परिचय कराया जाए तो आज के निराशापूर्ण वातावरण में भी आशा की किरण उत्पन्न होकर विद्यार्थी जगत में अपेक्षित परिवर्तन दिखाई देगा। इस निमित्त विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के द्वारा संचालित मुख्य गतिविधियाँ अग्रलिखित हैं -

सूचना : इस नियमावली व विवरणिका को एक बार प्रारम्भ से अन्त तक अवश्य पढ़ें।

संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों हेतु इस वर्ष के लिए निर्धारित तिथियाँ –

क. संस्कृति ज्ञान परीक्षा विद्यार्थी भैया/बहिनों के लिए – प्रदेश समिति द्वारा **(14 दिसम्बर 2024 के पश्चात्)** निर्धारित तिथि को सम्पन्न करें। इस वर्ष से यह परीक्षा कक्षा 3 से प्रारम्भ हो रही है।

ख. आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा (प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा श्रेणी हेतु)- **14 दिसम्बर 2024** को सम्पूर्ण देश में एक साथ होगी।

ग. विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव - इस वर्ष **17-18-19 नवम्बर 2024** को उज्जैन (मध्य प्रदेश) में होना निर्धारित है। सभी प्रतिभागियों को **16 नवम्बर** रात्रि भोजन पूर्व प्रतियोगिता स्थल पर पहुँचना है तथा **19 नवम्बर** सायं 5:00 बजे के बाद वापसी यात्रा कर सकेंगे।

घ. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आचार्य वर्ग के लिए - **5 सितम्बर 2024**

ङ. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता विद्यार्थी भैया/बहिनों के लिए– **14 सितम्बर 2024**

प्रधानाचार्यों से निवेदन –

विद्या भारती अ.भा.शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध विद्यालयों के साथ राजकीय एवं अन्य विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं तथा यह माँग प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। अतः हम लोग भी अन्य विद्यालयों/महाविद्यालयों से सम्पर्क स्थापित करें तथा उन्हें इसके लिए प्रेरित करें। अपने विद्यालय में तो सभी भैया/बहिनों एवं आचार्य दीदियों के लिए इसे अनिवार्य रूप से लागू करना ही है। अतः अपने विद्यालय के कक्षा 3 से 12 तक एवं स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षाओं के सभी भैया-बहिन इसमें सम्मिलित होने चाहिए।

1. कक्षा तृतीय से सप्तमी- विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी छात्र भैया/बहिनों के लिए
2. कक्षा अष्टमी से द्वादशी - विद्यालय/कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र भैया/बहिनों के लिए।
3. प्रवेशिका - शिक्षकों/पूर्व छात्र/अभिभावक/प्रबन्ध समिति के सदस्यों, समाज बन्धुओं, महाविद्यालय के छात्रों के लिए।
4. मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा - प्रवेशिका उत्तीर्ण परीक्षार्थियों के लिए।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा - विद्यार्थी भैया-बहिनों के लिए

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा संस्कृति बोधमाला का प्रकाशन किया गया है। इस पुस्तकमाला के स्वाध्याय के आधार पर अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृति ज्ञान परीक्षा एवं प्रश्नमंच का आयोजन किया जाता है।

'संस्कृति ज्ञान परीक्षा' का छात्रों एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा अप्रत्याशित स्वागत हो रहा है। परीक्षार्थियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि होना परीक्षा की उपयोगिता का प्रमाण है।

वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या
80-81	30,000	99-00	7,47,551	19-20	22,31,998
84-85	60,000	04-05	13,10,541	22-23	17,70,300
89-90	1,70,172	09-10	15,65,291	23-24	19,87,463
94-95	3,57,575	14-15	18,28,337		

परीक्षा प्रणाली –

इस वर्ष **कक्षा तृतीया के लिए नई संस्कृति बोधमाला-१ पुस्तक** बनी है। कक्षा अनुसार प्रश्न-पत्र इन्हीं पुस्तकों पर आधारित होते हैं। प्रश्नों की भाषा एवं रूप विविधता लिए हुए हो सकते हैं परन्तु मूलभाव और विषय-वस्तु

पुस्तक पर ही आधारित होगी। पुस्तिका में प्रश्न तथा उनके उत्तर अत्यन्त रोचक ढंग से दिए रहते हैं, जिन्हें छात्र अत्यन्त सरलता से हृदयंगम कर लेते हैं। परीक्षा प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ एवं लघु उत्तरीय होता है। प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न पत्र पर ही निर्देशित रिक्त स्थान पर लिखने होते हैं।

प्रत्येक कक्षा की पुस्तिका में भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोहर के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय उपलब्धियों की जानकारी भी दी गई है। कक्षा चतुर्थी से षष्ठी तक की पुस्तिका में सात पाठ हैं - 1. हमारी भारतमाता, 2. हमारा भारत राष्ट्र, 3. हमारी भारतीय संस्कृति, 4. हमारी परिवार व्यवस्था, 5. हमारी ज्ञानपरम्परा, 6. हमारी वैज्ञानिक परम्परा, 7. हमारा गौरवशाली अतीत। कक्षा सप्तमी से द्वादशी में 'हमारी संस्कृति का विश्व संचार' नामक आठवाँ पाठ सम्मिलित किया गया है।

इन पाठों में कक्षा के स्तरानुसार विषय वस्तु का विस्तार किया गया है।

संस्कृति बोधमाला भारतीय ज्ञानपरम्परा के आधार पर क्रमांक १ से १० तक नई लिखी गई हैं जो कक्षा तृतीया से लेकर द्वादशी तक के लिए है। गत वर्ष तक क्रमांक एवं कक्षा समान थे। इस वर्ष के बोधमाला क्रमांक और कक्षा पर ध्यान दीजिए -

संस्कृति बोधमाला क्रमांक-१	कक्षा **तृतीया** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-२	कक्षा **चतुर्थी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-३	कक्षा **पंचमी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-४	कक्षा **षष्ठी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-५	कक्षा **सप्तमी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-६	कक्षा **अष्टमी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-७	कक्षा **नवमी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-८	कक्षा **दशमी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-९	कक्षा **एकादशी** के लिए
संस्कृति बोधमाला क्रमांक-१०	कक्षा **द्वादशी** के लिए

OMR उत्तर पत्रक –

हमारे किशोर आयु के भैया-बहिनों को निकट भविष्य में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होना होगा। उन्हें इसका अभ्यास हो सके, इस दृष्टि से कक्षा 8 से 12, प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा तथा प्रज्ञा की संस्कृति ज्ञान परीक्षा का प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ बहुविकल्प प्रकार का होगा जिसके उत्तरों

का अंकन अलग से प्रदान किए गए उत्तर पत्रक (Answer Sheet) पर सम्बन्धित प्रश्न के सम्मुख दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के नीचे आकृति (O) को काले/नीले बॉल प्वाइंट पैन से गोलाई में ही पूरी तरह काला/नीला (●) करके देना होगा।

पुस्तक प्रेषण –

संस्थान में पुस्तक मूल्य की राशि प्राप्ति की तिथि के पश्चात् एक मास तक की अवधि के अन्दर पुस्तकें राशि भेजने वाले पंजीकृत विद्यालय/परीक्षा केन्द्र पर भेज दी जाती हैं। इस हेतु –

1. फार्म में मोबाइल क्रमांक तथा पिनकोड भरना अनिवार्य है।

2. ट्रांसपोर्ट से साहित्य प्रेषित करने हेतु विद्यालय का पैन कार्ड/जी.एस.टी. क्रमांक/तथा प्रधानाचार्य जी के आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति अवश्य संलग्न करें।

पुस्तक का मूल्य –

- परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई शुल्क नहीं है। कक्षा तृतीया से द्वादशी तक सभी कक्षाओं के लिए पुस्तक का मूल्य 50.00 रुपये प्रति पुस्तक है। इसमें से 4.00 रुपये प्रति छात्र की दर से विद्यालय में रखकर शेष राशि 46.00 रुपये संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजनी है, जिसके प्राप्त होने की अन्तिम तिथि **30 सितम्बर 2024** है इसके पश्चात प्राप्त होने वाली पुस्तक राशि को आगामी सत्र के लिए जमा कर लिया जायेगा। विलम्ब शुल्क सहित पुस्तक क्रयादेश भेजने का कोई प्रावधान नहीं है। पंजीकरण पत्रक के साथ ही पुस्तकों की अपेक्षित संख्या के अनुरूप राशि भेजें अन्यथा यहाँ से सामग्री भेजने में विलम्ब होगा।
- संस्कृति बोधमाला पुस्तक का मूल्य सीधे बैंक में जमा करने के लिए

Step-1 संस्थान की वेबसाइट https://www.samskritisansthan.com को खोलें तथा निम्नलिखित अनुसार क्लिक करें –

Step-2 **''अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण''**

Step-3 SBI Collect

Step-4 Search by Institution / organisation name

Step-5 (टाइप करें) - *vidya bharti*

Step-6 Select - VIDYA BHARTI SANSKRITI SHIKSHA SANSTHAN

Step-7 Fill Form

Step-8 ☑ I have read and agreed to the Terms and Conditons

Step-9 Fill Captcha and click NEXT

Step-10 Select Payment Gateway and pay the Amount

Scan and Pay

- पुस्तकों के मूल्य की धनराशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के बहुशहरी (Multi-city) रेखांकित बैंक चैक और बैंक ड्राफ्ट द्वारा 'विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान' के नाम कुरुक्षेत्र कार्यालय के पते पर पंजीकरण प्रपत्र सहित भेजी जा सकती है। इसके अतिरिक्त किसी अन्य माध्यम से भेजे गए आदेश तथा मूल्य की राशि को स्वीकृत नहीं किया जाता। किसी अन्य खाते में जमा की गई राशि (जिसका उल्लेख इस नियमावली में नहीं किया गया है) द्वारा किए गए भुगतान के बारे में संस्थान जिम्मेवार नहीं होगा।
- यदि उपरोक्त प्रक्रिया से किसी कारणवश आप पुस्तकों के मूल्य की राशि भेजने में असमर्थ हैं तो आप निम्नलिखित बैंक खाते में राशि सीधे जमा कर सकते हैं। इस स्थिति में आपका पंजीकरण प्रपत्र धनराशि विवरण सहित संस्थान की ई-मेल sgp@samskritisansthan.org पर प्राप्त होना अनिवार्य है। इसके अभाव में पुस्तकें भेजना संभव नहीं होगा।

  राशि जमा करने के लिए बैंक खाता विवरण -

  खाते का नाम- विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

  खाता क्रमांक - 535402010000303

  बैंक का नाम एवं शाखा - यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, गीता निकेतन, कुरुक्षेत्र IFSC Code — UBIN0553549
- कठिनाई आने की स्थिति में दूरभाष क्र. 01744- 251903, 270515 एवं व्हाट्सएप्प क्रमांक 9812520301 पर सम्पर्क कर सकते हैं।
- बोधमाला पुस्तिका के मूल्य के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र या प्रमाण-पत्र आदि का अलग से कोई अन्य राशि नहीं ली जाती। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बोधमाला पुस्तिका 50.00 रुपये प्रति के हिसाब से उपलब्ध हो सकेगी।
- पुस्तकों के आदेश के साथ कक्षानुसार छात्र संख्या एवं वर्गानुसार (प्रवेशिका/मध्यमा/उत्तमा/प्रज्ञा) आचार्य संख्या, नाम सूची सहित भेजना अनिवार्य है।
- आपके द्वारा जारी चैक किसी भी स्थिति में अनादृत (Dishonour) होने पर बैंक द्वारा की जाने वाली कटौती आपके द्वारा देय होगी।

द्रष्टव्य – विद्या भारती विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी भैया-बहिनों का संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

- आपके द्वारा अपने विद्यालय में 4.00 रुपये प्रति छात्र की दर से रखी गई राशि को मूल्यांकन, डाक व्यय एवं पुरस्कार आदि पर ही व्यय करना है। इस राशि का व्यय अन्य किसी मद में नहीं होना चाहिए।
- केन्द्रीय कार्यालय में प्राप्त होने वाली राशि में से 2.00 रुपया प्रति छात्र प्रान्त को भेजा जाएगा जिसे संस्कृति बोध परियोजना के लिए संपर्क एवं विस्तार हेतु किये जाने वाले प्रोत्साहन कार्य में प्रयोग किया जाना चाहिए। इस राशि का प्रयोग प्रान्तीय मंत्री, संगठन मंत्री एवं संस्कृति बोध परियोजना के प्रान्तीय संयोजक के पारस्परिक विचार-विमर्श के आधार पर होगा।

परीक्षाकेन्द्र –

पुस्तक क्रयादेश भेजने वाले विद्यालय ही परीक्षा केन्द्र रहेंगे तथा उन विद्यालयों के प्रधानाचार्य, केन्द्राध्यक्ष रहेंगे। आपके सम्पर्क के आधार पर विद्या भारती के अतिरिक्त अन्य विद्यालयों के छात्रों की परीक्षा के केन्द्र का निर्णय संपर्क करने वाले विद्यालय का होगा। अतः उन्हें परीक्षा की तिथि व समय की सूचना आपको ही देनी है।

परीक्षा प्रश्न-पत्र –

प्रश्नोत्तर पुस्तिकायें / OMR शीट एवं उत्तर संकेत अलग-अलग पैकेट में भेजे जाएँगे। किसी भी स्थिति में प्रश्न-पत्रों को परीक्षा समय से पूर्व न खोला जाए। अन्दर रखे प्रश्न-पत्रों की संख्या पैकेट के ऊपर लिखी होगी जिसे आपके द्वारा भेजी गई संख्या से मिला लें तथा प्रश्नपत्र कम होने की स्थिति में तुरन्त परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को सूचित करें। यदि प्रश्नपत्र परीक्षा तिथि से 15 दिन पूर्व तक आपको प्राप्त नहीं होते तो परीक्षा कार्यालय को तुरन्त सूचना दें। मूल्यांकन हेतु विद्यालय के उपयोग की दृष्टि से 5 प्रतिशत बोधमाला एवं प्रश्नपत्र अधिक भेजे जाते हैं। इन्हें केवल मूल्यांकन हेतु प्रयोग करें। कक्षा अष्टमी से द्वादशी कक्षा हेतु उत्तर पत्रक (OMR Sheet) भी एक अलग पैकेट में प्रश्नावली के साथ ही भेजे जायेंगे।

परीक्षा तिथि –

प्रान्तीय समिति भैया-बहनों की **संस्कृति ज्ञान परीक्षा की तिथि 14 दिसम्बर 2024 से 31 जनवरी 2025 के मध्य निश्चित करें।** इसका

निर्धारण प्रान्तीय समिति द्वारा किया जाएगा, जिसकी सूचना क्षेत्रीय / प्रान्तीय संयोजक सत्र के प्रारम्भ में संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेज देंगे। नवम्बर मास तक परीक्षा तिथि की सूचना न मिलने पर प्रान्तीय समिति के कार्यालय से ही सम्पर्क करें।

मूल्यांकन –

उत्तरपत्रों का मूल्यांकन सामूहिक रूप से परीक्षा के तुरन्त पश्चात उसी दिन अथवा अगले दिन से ही केन्द्राध्यक्ष के पर्यवेक्षण में किया जायेगा। इसके लिए समाज के सुयोग्य व्यक्तियों का सहयोग लिया जा सकता है। अंकसूचियाँ तैयार कर लेने के पश्चात कक्षा 3 से 7 की मूल्यांकित उत्तर–पुस्तिकाएँ भैया/बहिनों को वापस लौटा दें। अष्टमी से द्वादशी कक्षा के भैया–बहन OMR Sheet देकर प्रश्नावली को परीक्षा के बाद साथ ले जा सकेंगे। OMR उत्तरपत्रक सीलबन्द पैकेट में कुरुक्षेत्र कार्यालय को मूल्यांकन हेतु भेजे जायेंगे। कक्षा 8 से 12 एवं प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा व प्रज्ञा श्रेणी की OMR Sheet परीक्षा के उपरान्त कक्षा 3 से 7 की प्राप्तांक सूची के साथ कुरुक्षेत्र भेजें। OMR Sheet विद्यालयशः सूची बनाकर अलग–अलग लिफाफे में **बिना मोड़े पैक कर** कुरुक्षेत्र कार्यालय भेजें।

परीक्षा तिथि से एक सप्ताह के भीतर प्राप्तांक सूची की एक प्रति केन्द्राध्यक्ष, संस्कृति ज्ञान परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजें तथा एक प्रति विद्यालय में ही रखें जिससे प्रमाणपत्र भरे जा सकें। एक ही केन्द्र पर अनेक विद्यालयों द्वारा परीक्षा दिए जाने की स्थिति में प्रत्येक विद्यालय की अंक सूची अलग–अलग बनाई जाए तथा केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं मोहर लगाकर परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजी जाए।

प्रमाण पत्र –

50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले भैया/बहिनों के प्रमाण–पत्रों में **उत्तीर्ण** पर सही का निशान (✓) लगाएँ तथा 50 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागी भैया/बहिनों हेतु **प्रतिभागिता** पर सही का निशान (✓) लगाएँ।

पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण –

अपने विद्यालय के छात्रों को प्रमाणपत्र वितरण एवं कक्षानुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अथवा शत–प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को समारोहपूर्वक पुरस्कृत करना चाहिए। यह पुरस्कार

वितरण कार्यक्रम अभिभावकों तथा अन्य सम्पर्कित विद्यालयों के शिक्षक परिवार को आमंत्रित कर समारोह के रूप में होना चाहिए।

सुझाव –

सभी प्रकार के सुझाव परीक्षा के पश्चात् केन्द्रीय कार्यालय कुरुक्षेत्र को भेजें। परीक्षा सम्पन्न होने के पश्चात परीक्षार्थियों की संख्या, उत्तीर्ण छात्रों की संख्या, अपने विद्यालयों की प्रतिभागी संख्या, अन्य विद्यालयों की प्रतिभागी संख्या की सूचना संलग्न प्रपत्र पर कुरुक्षेत्र एवं प्रान्तीय कार्यालय को अवश्य भेजें।

Sanskriti Jñana Pariksha–English Version

To facilitate participation of English Medium Public Schools in Sanskriti Jñana Pariksha, English version of these books is also available. Accordingly, examination is also conducted in English. English medium books for Class 3 to 12 are also available @ ₹ 50/- per copy and for Acharya / Poorva Chhatra Praveshika @ 60/- per copy. There is, however, no fee for the examination. Please ensure that class-wise number of books based on the number of participating students is separately sent for getting books & question papers in English. However, the same proforma may be used for sending your demand. If any Pradesh Samiti decides to get these books at State Office, it can be arranged accordingly. The question papers will also be sent to the same address.

आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा-OMR शीट आधारित

विद्या भारती से सम्बद्ध विद्यालयों के आचार्य अपनी भव्य सांस्कृतिक धरोहर के विशाल ज्ञान भण्डार से समृद्ध होकर छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञान के प्रदीप्त प्रेरणा-स्रोत बन सकें, इस उद्देश्य से आचार्यों के लिए सन् 1985-86 से इस परीक्षा का आयोजन प्रारम्भ किया गया है। इसमें सहभागिता की संख्यात्मक स्थिति निम्नानुसार है –

वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या	वर्ष	संख्या
1990-91	6,551	05-06	50,516	20-21	47,063
95-96	17,546	10-11	48,648	22-23	1,15,183
2000-01	34,560	15-16	48,208	23-24	2,12,933

यह परीक्षा चार वर्गों में आयोजित की जाती है : प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा एवं प्रज्ञा परीक्षा। ये चारों परीक्षाएँ आचार्यों के साथ-साथ पूर्व छात्र, अभिभावक, प्रबन्ध समिति कार्यकर्ता एवं समाज के अन्य सभी बन्धु-भगिनियों

के लिए है। आचार्यों की भाँति अन्य सभी लोग भी ये परीक्षाएँ दे सकेंगे। **सभी आचार्य इन चारों स्तरों की संस्कृति ज्ञान परीक्षा उत्तीर्ण करने का लक्ष्य बनाएँ।**

चारों वर्गों के लिए पृथक-पृथक प्रश्नोत्तरी निर्धारित है। जो भी आचार्य व समाज बन्धु उपरोक्त परीक्षाओं में सम्मिलित होना चाहें, वे निर्धारित प्रपत्र भरकर पुस्तक मूल्य की राशि सहित विवरण अपने विद्यालय प्रधानाचार्य के माध्यम से परीक्षा कार्यालय कुरुक्षेत्र में भेजें। (संख्या विवरण एवं आवेदन पत्रक संलग्न है)।

आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा भी निःशुल्क है। उसके लिए तैयार की गई बोधमाला पुस्तक का मूल्य प्रवेशिका, मध्यमा व उत्तमा तीनों ही वर्गों में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के लिए रुपये 60.00 (साठ रुपये) प्रति निर्धारित है, जो दिनांक **30 सितम्बर 2024** तक कुरुक्षेत्र कार्यालय में पहुँचना चाहिए। इसके पश्चात प्रापत होने वाली पुस्तक राशि को आगामी सत्र के लिए जमा कर लिया जाएगा।

(2) प्रज्ञा परीक्षा के लिए बोधमाला पुस्तकें नहीं हैं। इसके लिए पाठ्यक्रम के रूप में निम्नलिखित दो पुस्तकें वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित की गई हैं -

१. गीता अनुचिंतन
प्रकाशक - विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र

२. शिक्षा में बोध चतुष्टय
प्रकाशक - विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र

इनका मूल्य 100.00 (एक सौ रुपये मात्र) है। यह परीक्षा केवल उन परीक्षार्थियों के लिए होगी जो प्रवेशिका, मध्यमा एवं उत्तमा तीनों परीक्षायें उत्तीर्ण कर चुके हैं।

परीक्षा दिनांक व मूल्यांकन (जाँच कार्य) –

आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा तथा प्रज्ञा सभी स्तरों की 14 दिसम्बर 2024 को सम्पन्न होगी। प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा तथा प्रज्ञा परीक्षा का मूल्यांकन केन्द्रीय कार्यालय कुरुक्षेत्र में होगा। केवल मूल OMR sheet पर भरे गए उत्तर ही मान्य होते हैं। **OMR शीट की छायाप्रति (Xerox / Photocopy), पुरानी अथवा गत सत्र की OMR शीट मान्य नहीं है।**

परीक्षोपरान्त ये OMR Sheet प्रधानाचार्य के पत्र के साथ कुरुक्षेत्र कार्यालय के पते पर परीक्षा आयोजन के दिन ही प्रेषित की जानी चाहिए। आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा केवल OMR Sheet पर ही आयोजित होती है।

परीक्षाफल –

केन्द्रीय कार्यालय, कुरुक्षेत्र में उत्तर पुस्तिकाएँ प्राप्त होने के पश्चात् उनका मूल्यांकन करवा कर परिणाम प्रमाणपत्रों के साथ सम्बन्धित विद्यालय को भेजा जाएगा। प्रज्ञा परीक्षा में 50 प्रतिशत एवं अधिक अंक प्राप्त करने वाले आचार्य प्रशस्तिपत्र प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। अंक सूची व प्रमाण-पत्र सम्बन्धित विद्यालय को भेजे जाएँगे।

विद्यालय अथवा प्रान्तीय समिति द्वारा 80 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले आचार्यों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाए। नगर/जिले में स्थित एकाधिक विद्यालय मिलकर भी बड़े स्तर पर समारोह आयोजित कर सकते हैं ताकि अन्य विद्यालयों को भी इसकी जानकारी तथा प्रेरणा मिल सके।

पुनर्मूल्यांकन –

परीक्षा परिणाम जारी होने की दिनाँक के 45 दिन के अंदर पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था रहेगी। पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन केन्द्राध्यक्ष के माध्यम से किया जा सकेगा।

कक्षा 8 से 12 एवं आचार्य श्रेणी - प्रवेशिका, मध्यमा, उत्तमा व प्रज्ञा की संस्कृति ज्ञान परीक्षा
OMR (Optical Mark Recognition) द्वारा

कक्षा 8 से 12 तथा आचार्य श्रेणी की संस्कृति ज्ञान परीक्षा का प्रश्न-पत्र OMR sheet पर हल किया जाना है। यह परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की है, जिसमें परीक्षार्थी को सही उत्तर काले/नीले बॉल प्वाइंट पैन द्वारा उपयुक्त स्थान पर गोले को पूरी तरह काला करके देना होता है। अतः इसे सावधानीपूर्वक, बिना पिन या स्टेपल लगाए तथा बिना मोड़े कक्षा 4 से 7 की प्राप्तांक सूचियों के साथ कुरुक्षेत्र कार्यालय में भेजना है। पर्यवेक्षक आचार्य परिवार की ओर से अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित है।

संस्कृति बोध अभियान

संस्कृति ज्ञान परीक्षा को समाज में ले जाने की दृष्टि से इस वर्ष 15 दिन का एक देशव्यापी अभियान आगामी महीनों में लिया जाना है। यह अभियान **1 जुलाई से 15 सितम्बर के मध्य** पूर्ण कर लिया जाए। प्रांत इसकी योजना करें। प्रत्येक आचार्य एवं प्रबन्ध समिति के सदस्य समाज के 10 लोगों को जोड़ें। समाज के प्रतिभाग की दृष्टि से प्रबन्ध समिति कार्यकर्ता, अभिभावक, पूर्व छात्र तथा अन्य हितचिन्तक इसमें सम्मिलित हो सकते हैं। इस श्रेणी के लिए भी पुस्तकें तथा उनका मूल्य आचार्य संस्कृति ज्ञान परीक्षा के समान अर्थात् ₹ 60/- (साठ रुपये) ही होगा। प्रत्येक प्रान्त में अभियान समाप्ति के 7 दिन में पुस्तकों का क्रयादेश कुरुक्षेत्र कार्यालय को भेजना है। प्राप्त होने पर पुस्तकें भेजी जाएंगी।

संस्कृति प्रवाह परीक्षा (संस्कार केन्द्रों एवं एकल विद्यालयों के लिए)

सेवा क्षेत्रों में चलने वाले संस्कार केन्द्रों एवं एकल विद्यालयों के विद्यार्थियों में देशभक्ति, स्वाभिमान, सामाजिक समरसता आदि संस्कार विकसित करने के लिए ''संस्कृति प्रवाह'' नामक पुस्तिका उपलब्ध है, जिसका मूल्य 10.00 रुपये प्रति पुस्तक की दर से संख्या-पत्रक के साथ कुरुक्षेत्र भेजना है। संख्या एवं पुस्तकों के मूल्य की राशि प्राप्त होने पर पुस्तिकाएँ केन्द्रीय कार्यालय, कुरुक्षेत्र से उपलब्ध करायी जाएगी।

परीक्षा व प्रमाणपत्र – प्रश्नपत्र निर्माण, परीक्षा एवं मूल्यांकन की व्यवस्था संस्कार केन्द्र एवं एकल विद्यालय स्वयं अथवा अपनी प्रान्तीय समिति की योजनानुसार करेंगे। मूल्यांकन के पश्चात 35 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को प्रमाणपत्र देने की व्यवस्था कुरुक्षेत्र कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके लिए समस्त परीक्षार्थियों की अंक सूची कुरुक्षेत्र भेजना आवश्यक होगा।

अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता (छात्र भैया/बहिनों के लिये)

विद्या भारती संस्कृति बोध परियोजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उसी कड़ी में अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी में तथा प्रत्येक प्रान्त की योजनानुसार मातृभाषाओं में पहले से दिए गए विषयों पर छात्रों की 'निबन्ध प्रतियोगिता' का आयोजन वर्गानुसार होता है –

इस वर्ष के लिए वर्गानुसार विषय –

क.	शिशु वर्ग (कक्षा 4-5)	भगवान राम का जीवन चरित्र
ख.	बाल वर्ग (कक्षा 6-7-8)	रामलला प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव
ग.	किशोर वर्ग (कक्षा 9-10)	अयोध्या नगरी का वैभव
घ.	तरुण वर्ग (कक्षा 11-12)	श्रीरामजन्मभूमि के 500 वर्षों के संघर्ष का इतिहास।

नियमावली –

1. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता विद्यालय स्तर पर **दिनांक 14 सितम्बर 2024** को आयोजित करनी है। तदुपरान्त विद्यालय में ही सभी निबन्धों का मूल्यांकन करके 7 दिनों के अन्दर वर्गानुसार प्रथम पाँच निबन्ध एवं सम्पूर्ण प्रतिभागिता सूची अपनी प्रान्तीय समिति के कार्यालय में भेजें।
2. प्रतिभागी भैया-बहन निबन्ध विद्यालय में सामूहिक बैठकर लिखेंगे। A4

(30x20 cm) आकार के कागज़ सभी प्रतिभागियों को विद्यालय की ओर से उपलब्ध कराए जाएँ।

3. प्रथम पृष्ठ पर प्रतिभागी केवल अपना विवरण लिखेंगे जिसमें नाम, पिता का नाम, कक्षा, वर्ग, विद्यालय का पूरा नाम व पता पिनकोड सहित, प्रांत का नाम, क्षेत्र का नाम स्पष्ट अक्षरों में हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में लिखना अनिवार्य होगा। इस विवरण के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
4. निबन्ध कागज़ के एक ओर हाशिया छोड़कर लिखें।
5. स्वच्छ एवं स्पष्ट लेखन के लिए 2 अंक निश्चित हैं।
6. प्रत्येक वर्ग के प्रतिभागी को अपने वर्गानुसार निश्चित विषय पर निबन्ध लिखना होगा।
7. निबन्ध लेखन की शब्द सीमा वर्गानुसार क्रमशः शिशु वर्ग में 400, बाल वर्ग में 600, किशोर वर्ग में 800 तथा तरुण वर्ग में 1000 शब्दों तक निर्धारित है।
8. भैया तथा बहिनों को हिन्दी अथवा अपनी मातृभाषा में निबन्ध लिखने की छूट रहेगी।
9. नियमानुसार न लिखे हुए निबन्धों को निरस्त कर दिया जाएगा। निबन्ध वापिस नहीं भेजे जाएंगे।
10. प्रत्येक निबन्ध पर प्रधानाचार्य द्वारा साक्ष्यांकन अत्यावश्यक है।
11. प्रान्तीय समिति में प्राप्त सभी निबन्धों में से वर्गानुसार केवल प्रथम स्थान प्राप्त निबन्ध प्रान्तीय समिति द्वारा विद्या भारती कार्यालय कुरुक्षेत्र में दिनांक 15 अक्तूबर 2024 तक भेजने अनिवार्य हैं।
12. संस्थान को कोई भी या सभी निबन्ध, बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार है। यह निर्णय सर्वमान्य होगा।
13. प्रांतीय समिति के द्वारा परिणाम की जानकारी विजेता छात्र के विद्यालय तथा संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र को दी जायेगी।
14. प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के प्रमाणपत्र व पुरस्कार तत्सम्बन्धी विद्यालय को परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान द्वारा भेजा जायेगा।

पुरस्कार – प्रत्येक प्रान्तीय समिति में प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता भैया/बहन को रुपये 501.00 का सद्साहित्य पुरस्कार के रूप में दिया जाएगा।

विशेष – प्रादेशिक समिति द्वारा केन्द्रीय कार्यालय को सर्वश्रेष्ठ निबन्ध भेजते समय प्रतियोगिता में कुल प्रतिभागी विद्यालय संख्या एवं प्रतिभागी छात्र संख्या का वर्गानुसार विवरण अवश्य भेजा जाए।

अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता
(आचार्यों के लिए)

विषय : राम मंदिर की प्रतिष्ठा से राम-राज्य

(Glory of Ram Temple leading to Ram Rajya)

नियम –

1. प्रतिभागी आचार्य, प्रधानाचार्य के पर्यवेक्षण में **दिनांक 5 सितम्बर 2024** को विद्यालय में बैठकर उपरोक्त विषय पर निबन्ध लिखेंगे।
2. प्रथम पृष्ठ पर प्रतिभागी केवल अपना विवरण लिखेंगे जिसमें आचार्य का नाम, पिता का नाम, विद्यालय का पूरा नाम व पता पिनकोड सहित, प्रांत का नाम, क्षेत्र का नाम स्पष्ट अक्षरों में हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में लिखना अनिवार्य होगा। इस विवरण के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
3. निबन्ध की शब्द सीमा 1500-2000 शब्द तथा समय सीमा 2 घण्टे अधिकतम रहेगी। निबन्ध शुद्ध लेखन एवं सुलेख में लिखा जाना अपेक्षित है किन्तु अनावश्यक चित्रकारी नहीं होनी चाहिए।
4. विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रत्येक निबन्ध को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित कर सभी निबन्धों को प्रतिभागिता सूची के साथ अपने प्रान्तीय कार्यालय को प्रेषित करेंगे।
5. प्रान्तीय समिति प्राप्त निबन्धों का मूल्यांकन करवाकर श्रेष्ठतम 5 निबन्ध एवं समस्त प्रतिभागिता सूची संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र को 30 सितम्बर, 2024 तक प्रेषित करें।
6. सभी प्रान्तों से प्राप्त निबन्धों का पुनः तुलनात्मक मूल्यांकन करवाकर श्रेष्ठतम 11 निबन्ध अखिल भारतीय स्तर पर पुरस्कृत होंगे।
7. पुरस्कार राशि - प्रथम 5100.00 रुपये, द्वितीय 3100.00 रुपये, तृतीय 2500.00 रुपये, चतुर्थ 2100.00 रुपये, पंचम 1500.00 रुपये तथा शेष छः प्रोत्साहन पुरस्कार प्रत्येक 1100.00 रुपये होगा।
8. सभी पुरस्कृत निबन्ध संस्कृति शिक्षा संस्थान की सम्पत्ति होंगे तथा उनका संस्थान द्वारा प्रकाशन हेतु प्रयोग किया जा सकेगा।

अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव

वर्तमान सत्र हेतु विद्यालय स्तर से अखिल भारतीय स्तर तक संस्कृति महोत्सव में कुछ नयी विधाओं को सम्मिलित किया गया है। सभी का विस्तृत विवरण इस प्रकार है -

- प्रश्न-मंच प्रतियोगिता
- मूर्तिकला प्रतियोगिता
- कथा-कथन प्रतियोगिता
- लोक नृत्य प्रदर्शन
- तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता
- पत्रवाचन-आचार्य वर्ग

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रश्न-मंच (छात्र भैया/बहिनों के लिए)

सत्र 2024-25 में अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव उज्जैन (मध्य प्रदेश) में आयोजित होगा।

1. सूचनाएँ –

1. छात्र भैया/बहिन प्रश्नमंच में अच्छा प्रदर्शन करें इसके लिए उचित होगा कि वे सत्र के प्रारम्भ से सभी निर्धारित पुस्तकों का स्वाध्याय करें ताकि प्रश्नमंच की तिथियों के निकट वे अधिक दबाव न अनुभव करें।
2. विद्यालय में अधिकाधिक भैया/बहिनों को प्रश्नमंच की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कक्षाशः एवं अन्तःसदन (Interhouse) प्रश्नमंच आयोजित किए जायें तथा उतरोत्तर श्रेष्ठता दिखाने वाले भैया-बहिनों को विद्यालय से ऊपर के स्तरों के प्रश्नमंच में सम्मिलित कराया जाए।
3. सभी भैया-बहिनों को प्रश्नमंच की पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएँ ताकि उनमें स्वाध्याय की प्रवृत्ति बढ़े।

3.1 आयोजन – प्रश्न मंच का आयोजन क्षेत्रीय स्तर तक क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख/मन्त्री/संगठन मन्त्री द्वारा निश्चित पर्यवेक्षकों की देख-रेख में सम्पन्न होना चाहिए।

क. प्रश्नमंच विद्यालय, संकुल/जिला एवं प्रांत सभी स्तरों पर आयोजित होंगे। क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर (अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव) में प्रश्न हिन्दी एवं अंग्रेज़ी में स्क्रीन पर प्रदर्शित किए जायेंगे। निर्धारित नियमावली के आधार पर ही प्रश्नमंच प्रारंभिक (विद्यालय) स्तर से आयोजित करना श्रेयस्कर है। इससे भैया-बहिन प्रारंभ से ही नियमों से परिचित हो सकेंगे तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश/क्षेत्र का नाम उन्नत कर सकेंगे।

प्रश्नमंच चार वर्गों में आयोजित किया जाएगा : (क) शिशु वर्ग-कक्षा

चतुर्थी एवं पंचमी; (ख) बाल वर्ग- कक्षा षष्ठी, सप्तमी एवं अष्टमी; (ग) किशोर वर्ग- कक्षा नवमी, दशमी; (घ) तरुण वर्ग- कक्षा एकादशी एवं द्वादशी। उपरोक्त चारों वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।

3.2 प्रतिभागिता – (क) विद्या भारती से सम्बद्ध प्रत्येक क्षेत्र के विजेता विद्यालय का दल अखिल भारतीय प्रश्नमंच में भाग ले सकेगा।

(ख) प्रत्येक वर्ग के दल में तीन विद्यार्थी रहेंगे।

(ग) परिचय पत्र पर सभी स्तरों के परिणाम अंकित कर प्रत्येक स्तर के संयोजक के हस्ताक्षर कराने अनिवार्य हैं। कार्यक्रम स्थल पर पंजीयन के समय परिचयपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। निर्धारित फोटो युक्त पूर्ण भरा हुआ परिचय पत्र पृष्ठ 26 के अनुसार विद्यालय स्तर से भरवाकर लाना है। परिचय पत्र के अभाव में दल सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

(घ) अखिल भारतीय प्रश्नमंच में प्रश्न LCD Projector के माध्यम से स्क्रीन पर हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रदर्शित किए जायेंगे। हिन्दी के अतिरिक्त भाषा-भाषी क्षेत्रों/प्रान्तों में प्रतिभागियों को प्रारम्भ से ही इन्हीं भाषाओं में स्वाध्याय/तैयारी कराई जाये ताकि प्रतिभागियों को भाषा के कारण प्रश्न को समझने में कठिनाई न हो।

(ङ) प्रश्नमंच में मौखिक उत्तर देना है। इसके लिए किसी भी प्रकार के लिखित कार्य की अनुमति नहीं होगी।

(च) भैया-बहनों के अभ्यास की दृष्टि से प्रान्त/विभाग में भी प्रोजेक्टर का प्रयोग प्रश्नमंच के लिए करना चाहिए।

(छ) जिन प्रदेशों से दल की प्रतिभागिता होती है वहाँ के प्रांत प्रमुख की उपस्थिति महोत्सव में अनिवार्यतः अपेक्षित है। साथ में सभी क्षेत्र प्रमुखों की उपस्थिति भी अनिवार्य है।

2. पाठ्यक्रम –

प्रत्येक प्रतिभागी को वन्दना, प्रातःस्मरण, एकात्मतास्तोत्र, भोजन मंत्र तथा दोनों अखिल भारतीय वार्षिक गीत कण्ठस्थ करके आना चाहिए।

2024-25 के प्रश्नमंच के लिए विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों की सूची आगे दी गई है। इसके अतिरिक्त यदि क्षेत्रीय स्तर पर तीनों वर्गों हेतु कुछ अन्य पुस्तकों का चयन किया जाता है तो उसकी जानकारी आपको अपने क्षेत्रीय कार्यालय से प्राप्त होगी।

● पुस्तक के नाम के सम्मुख दिए गए सत्र एवं उसके बाद प्रकाशित संस्करण ही मान्य होंगे।

क्र०	पुस्तक का नाम	प्रकाशन/ संस्करण
शिशु वर्ग (कक्षा 4 व 5)		
1.	संस्कृति बोधमाला क्रमांक - २ व ३	सत्र 2024-25
2.	स्वतंत्रता संग्राम के बाल बलिदानी- प्रथम 15 पाठ	2023, तृतीय
3.	हमारे राष्ट्र निर्माता भाग-1, प्रथम 15 पाठ	2023, त्रयोदश
बाल वर्ग (6, 7 तथा 8)		
1.	संस्कृति बोधमाला क्रमांक - ४, ५ व ६	सत्र 2024-25
2.	व्यावहारिक खगोल परिचय, प्रथम छः पाठ	2023, अष्टम
3.	स्वतंत्रता संग्राम के बाल बलिदानी- संपूर्ण पुस्तक	2023, तृतीय
4.	हमारे राष्ट्र निर्माता भाग-1, पाठ 16 से 32 तक	2023, त्रयोदश
किशोर वर्ग (कक्षा 9 व 10)		
1.	संस्कृति बोधमाला क्रमांक - ७ व ८	सत्र 2024-25
2.	व्यावहारिक खगोल परिचय	2023, अष्टम
3.	प्रेरणा दीप भाग-3	2023, षष्ठ
4.	हमारे राष्ट्रनिर्माता भाग-2, पाठ 1 से 25 तक	2023, नवम्
5.	श्रीमद्भगवद्गीता प्रश्नोत्तरी	2023, तृतीय
तरुण वर्ग (कक्षा 11 व 12)		
1.	संस्कृति बोधमाला क्रमांक - ९ व १०	सत्र 2024-25
2.	व्यावहारिक खगोल परिचय	2023, अष्टम
3.	प्रेरणा दीप भाग-4	2023, चतुर्थ
4.	हमारे राष्ट्रनिर्माता भाग-2 पाठ 26 से 41 तक	2023, नवम
5.	श्रीमद्भगवद्गीता प्रश्नोत्तरी	2023, तृतीय

पुस्तक प्राप्ति स्थान – आपके अपने प्रान्त का प्रान्तीय साहित्य भण्डार अथवा विद्या भारती का साहित्य मंगवाने हेतु निम्नलिखित लिंक का प्रयोग करें -

www.vidyabhartibooks.com

विशेष : प्रश्नमंच की तैयारी की दृष्टि से विद्यालय के अधिकाधिक भैया-बहिनों को इन पुस्तकों के स्वाध्याय के लिए प्रेरित करें तथा उनकी आपसी प्रतियोगिता करवाकर श्रेष्ठ दल का चयन करें।

3. नियम

1. प्रश्न निर्धारित पाठ्यक्रम की सामग्री पर आधारित होंगे, इनका निर्माण प्रादेशिक/क्षेत्रीय/अखिल भारतीय विषय संयोजक की व्यवस्थानुसार होगा।

2 निर्धारित पुस्तक के जो नवीन संस्करण हों उन्हीं का अभ्यास कराकर लायें। नियमावली की प्रति भी भैया-बहनों को पढ़ने को उपलब्ध करायें।

3 सबको प्रश्नमंच हेतु प्रोजेक्टर के प्रयोग का अभ्यास कराना श्रेयस्कर होगा।

4 परिणाम - दल के प्रतिनिधित्व के आधार पर घोषित किया जाएगा यथा- राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र के दल की प्रतिभागिता रहेगी और क्षेत्र विजयी होगा। इसी प्रकार क्षेत्र में प्रान्तों की प्रतिभागिता होगी एवं प्रान्त विजयी घोषित किया जाएगा। यही क्रम प्रारंभिक स्तर तक जाएगा। किन्तु किसी भी स्थिति में **प्रतिभागी दल में एक से अधिक विद्यालयों के चयनित भैया-बहिन नहीं रहेंगे। विजेता दल एक ही विद्यालय का होगा।**

— निर्णायकों को नियमावली में लिखित नियम प्रश्नमंच प्रारम्भ होने के पहले अवश्य बताएँ।

5 प्रश्नमंच में व्याख्यात्मक अथवा विश्लेषणात्मक प्रश्नों के लिए कोई स्थान नहीं हैं क्योंकि ऐसे प्रश्नों के उत्तर प्रायः लम्बे होते हैं। प्रश्न ऐसे हों जिनका उत्तर संक्षिप्त अर्थात् प्रायः एक-दो शब्द, वाक्यांश अथवा एक वाक्य में ही हो।

6 प्रश्न तथ्यों पर आधारित होंगे। ये प्रश्न किसी एक तथ्य पर अथवा दो या दो से अधिक तथ्यों के पारस्परिक सम्बन्ध पर आधारित हो सकते हैं, ताकि वे जिज्ञासा मूलक, चिन्तन प्रेरक तथा संस्कार उद्बोधक हो सकें।

7 प्रश्न वस्तुनिष्ठ, अनेक दिए गए उत्तरों में से ठीक उत्तर छांटो, तुलनात्मक अथवा अन्य किसी प्रकार के भी हो सकते हैं। दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग करके भी प्रश्न प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

8 प्रश्न, पुस्तक में दी गई भाषा, शैली के अनुसार होना आवश्यक नहीं है। सामग्री को आधार मानकर प्रश्नों की भाषा-शैली विविध प्रकार की हो सकती है।

9 प्रश्नों का किसी एक भाग में दी गई सामग्री पर आधारित होना आवश्यक नहीं है। एक प्रश्न में ही पाठ्यक्रम में अलग-अलग स्थानों पर दी गई सामग्री का भी संयुक्त समावेश हो सकता है।

10 प्रश्न सटीक हों तथा पुस्तक में उनके एक से अधिक उत्तर प्राप्य न हों। परन्तु यदि पुस्तक में एक से अधिक उत्तर प्राप्य हों तो दोनों को सही मानकर अंक दिए जाएँ तथा इसकी सूचना भविष्य में सुधार हेतु कुरुक्षेत्र कार्यालय को भेजें।

11 प्रश्न की भाषा यथासंभव सरल, सुबोध, संक्षिप्त तथा स्पष्ट होनी चाहिए। प्रश्न का एक ही अर्थ निकलना अपेक्षित है।

12 प्रश्न में अपेक्षित उत्तर का निर्देशक संकेत शब्द जैसे- स्थान, समय, व्यक्ति, दिशा, कारण, आदि स्पष्ट रहे ताकि उत्तर समझने में भ्रम न हो।

13 प्रश्नों के एक चक्र में समान स्तर के प्रश्न होना अपेक्षित है। उतरोत्तर चक्रों का स्तर क्रमशः सरल से कठिन होना अपेक्षित है। अतः प्रत्येक पुस्तक से कम से कम एक चक्र (One Round) अवश्य हो।

प्रश्नमंच सत्र 2024-25 में प्रश्नों के निम्नलिखित प्रकार हो सकते हैं–

1. विकल्प छाँट कर उत्तर दीजिए।

   यथा – श्रीराम का जन्म स्थान इनमें से कौन सा है?

   1. काशी, 2. अयोध्या, 3. मथुरा, 4. हरिद्वार

   उत्तर – अयोध्या

2. सही/गलत बतायें।

   यथा – ओडिशा की राजधानी कंकटकानगर है।

   उत्तर – गलत

3. सही तिथि / दिनाँक एवं वर्ष बतायें?
4. इनके माता/पिता/गुरु/पत्नी/पति का नाम बतायें?
5. कविता/श्लोक की पंक्ति पूर्ण करें?
6. इनके उत्तर एक शब्द में दीजिए।
7. तुलनात्मक प्रश्न यथा – स्वामी विवेकानन्द जी से स्वामी रामतीर्थ कितने वर्ष छोटे थे?

4 प्रश्नों की संख्या :

4.1 प्रतियोगिता में प्रश्नों की एक शृंखला होगी। आवश्यकता पड़ने पर प्रश्नों की दूसरी, तीसरी अथवा चौथी शृंखला भी हो सकेगी। प्रत्येक पुस्तक से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

4.2 प्रत्येक चक्र में समान स्तर के उतने ही प्रश्न होंगे जितने कि प्रतिभागी दल रहेंगे।

4.3 प्रश्नों को प्रोजैक्टर/LCD आदि से प्रदर्शित किया जाएगा।

5 प्रश्नोत्तर विधि :

5.1 प्रश्न एक ही बार बोला जाएगा, किन्तु विद्या भारती, प्रश्न पूछने की विधि में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकेगी, जिसकी सूचना यथासमय प्रदेश/क्षेत्रीय समितियों को दे दी जायेगी।

5.2 प्रश्न का उत्तर देने के लिए 25 सैकेण्ड का समय रहेगा। पूरा प्रश्न पूछे जाने के तुरन्त बाद समय की गणना आरम्भ होगी। 20 सैकेण्ड बीतने पर चेतावनी की एक घण्टी बजेगी तथा 25 सैकेण्ड का समय

बीतने पर दो घण्टी बजाकर समय पूरा होने की सूचना दी जाएगी। समय संकेत स्क्रीन के माध्यम से भी दर्शाया जा सकता है। LCD स्क्रीन पर प्रश्न आते ही समय गणना प्रारम्भ हो जाएगी।

5.3 पुस्तक में लिखा उत्तर ही सही उत्तर माना जाएगा। उत्तर देने में तीनों प्रतिभागी समय सीमा के अन्दर आपस में परामर्श कर सकेंगे। तीनों में से किसी एक के द्वारा दिया गया उत्तर स्वीकार किया जाएगा। प्रथम दिया गया उत्तर ही अन्तिम उत्तर होगा। तुरन्त दिया गया दूसरा सही उत्तर भी मान्य नहीं होगा।

5.4 अस्पष्ट, अधूरे, गलत अथवा समय सीमा में कोई उत्तर न दिए जाने की दशा में प्रतिभागी टीम को शून्य अंक मिलेगा। पूरा, सही और समय पर दिए गए उत्तर का पूरा अंकलाभ प्रतिभागी दल को मिलेगा।

5.5 उच्चारण में भिन्नता स्वीकार्य होगी परन्तु उत्तर की शुद्धता अनिवार्य है। उत्तर के सही या गलत होने की घोषणा प्राश्निक उच्च स्वर में करेंगे। उसी के अनुसार प्रतिभागी दलों के अंकों की गणना सामने रखे गये श्याम/श्वेत पट्ट पर सही (✓) व गलत (✗) चिह्नों द्वारा दर्शायी जाएगी।

5.6 उत्तर के सही, पूर्ण तथा समय सीमा में दिए गए, का निर्णय प्राश्निक महोदय स्क्रीन पर दिए गये सही उत्तर के आधार पर करेंगे। इस विषय में प्राश्निक महोदय का निर्णय मान्य होगा परन्तु किसी सम्भ्रम की स्थिति में निर्णायक महोदय का निर्णय अन्तिम निर्णय के रूप में सर्वमान्य होगा। निर्णायक द्वारा दिये गये निर्णय से यदि प्रतिभागी सहमत नहीं है और अपनी बात कहना चाहते हैं तो हाथ उठाकर अनुमति लेकर अपनी बात कह सकते हैं।

5.7 अनावश्यक विवाद करने पर निर्णायक मण्डल दल को प्रतियोगिता से बाहर कर सकता है।

6. प्रश्नमंच के स्वरूप में कुछ सामान्य परिवर्तन किया गया है।

प्रश्नमंच में तीन प्रकार के चक्र होंगे – 1. सामान्य चक्र 2. त्वरित चक्र एवं 3. ध्वनि संकेत (बजर) चक्र।

6.1 **सामान्य प्रश्नों का चक्र –** इसमें 1 से 6 चक्र सामान्य प्रश्नों के होंगे, जैसे पूर्व वर्षों में होते रहे हैं।

6.2 **त्वरित प्रश्नों का चक्र –**

- यह चक्र त्वरित प्रश्न आधारित होगा।
- इस चक्र में प्रत्येक दल से 30 सैकण्ड में 6–6 प्रश्न पूछे जाएँगे।
- दल के प्रत्येक प्रतिभागी से क्रमशः 2–2 प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रतिभागी क्रमानुसार खड़े होकर उत्तर देंगे।
- प्रश्न स्क्रीन पर प्रदर्शित होते ही त्वरित उत्तर देना होगा।
- प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक तथा गलत उत्तर होने पर शून्य अंक मिलेगा।

6.3 **ध्वनि संकेत (बजर) चक्र** -

- इसमें कुल 6 प्रश्न पूछे जाएँगे। ये प्रश्न सभी दलों के लिए होंगे।
- प्रश्न स्क्रीन पर पूरा आने के बाद जिस दल को उत्तर आता है वह दल बजर (घंटी) बजा सकेगा।
- एक से अधिक बजर बजने पर जिस दल ने सबसे पहले बजर दबाया है वह दल उत्तर देगा।
- सही उत्तर होने पर 1 अंक मिलेगा और गलत उत्तर होने पर प्राप्त अंकों में से 1 अंक काटा जायेगा। (Negative Marking)
- प्रश्न प्रदर्शित होने के 10 सैकण्ड बाद तक यदि कोई दल बजर नहीं दबाता है तो वह प्रश्न समाप्त हो जाएगा।

7. परिणाम :

7.1 जिन प्रथम तीन प्रतिभागी दलों के सर्वाधिक अंक होंगे उन्हें अंकों के क्रमानुसार प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान का विजेता घोषित किया जाएगा।

7.2 यदि किसी स्थान के लिए दो या दो से अधिक दलों के समान अंक होंगे तो दूसरी श्रृंखला में उन्हें ही सम्मिलित किया जाएगा, जिनके अंक समान होंगे। दूसरी श्रृंखला में पांच प्रश्न होंगे। दूसरी श्रृंखला में निर्णय न होने पर तीसरी, चौथी श्रृंखला के तीन–तीन प्रश्न से परिणाम के आधार पर अन्तिम तीनों स्थानों का परिणाम घोषित किया जाएगा।

7.3 क्षेत्र स्तर तक विजेता दल के प्रत्येक प्रतिभागी को पारितोषिक क्षेत्रीय समिति की ओर से दिया जाएगा। परिणाम की लिखित सूचना प्राश्निक/संयोजक आयोजक कार्यालय को देंगे। संस्थान को भी प्रांत/क्षेत्र

में विजयी टीम की सूचना दें। विद्यालय से लेकर क्षेत्र तक की सहभागिता संख्या संस्थान कार्यालय को प्रेषित करें।

7.4 प्रत्येक प्रतिभागी को प्रश्नमंच में भाग लेने का प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

7.3 प्रश्नमंच कार्यक्रम के स्थान, तिथि अथवा स्वरूप में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का निर्णय अखिल भारतीय कार्यकारिणी के द्वारा लिया जाएगा। तद्नुसार सूचना प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय समितियों को कुरुक्षेत्र से प्रेषित की जाएगी।

कथा-कथन प्रतियोगिता
(शिशु एवं बाल वर्ग के छात्र भैया/बहिनों के लिए)

यह विधा भैया/बहनों में कहानी कहने की कला के माध्यम से उनकी अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करने हेतु आयोजित की जाती है। यह प्रतियोगिता विद्यालय स्तर से संकुल, प्रान्त, क्षेत्र एवं अखिल भारतीय सभी स्तरों पर आयोजित होगी।

नियम –

1. कथा-कथन प्रतियोगिता के वर्ग :
   (क) शिशु वर्ग- कक्षा 4-5; (ख) बाल वर्ग- कक्षा 6-7-8;
   उपरोक्त दो वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।
2. इस प्रतियोगिता में शिशु एवं बाल वर्ग में क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र भैया/बहिन अखिल भारतीय महोत्सव में अपने वर्ग के लिए निर्धारित विषय पर कथा-कथन करेंगे। दोनों वर्गों हेतु कथा-कथन के विषय निम्नलिखित हैं -

   विषय – प्रेरक पौराणिक आख्यान, प्रेरक ऐतिहासिक आख्यान, प्रेरक लोककथा पर आधारित कथा।
3. कथा-कथन हेतु समय सीमा -
   शिशु वर्ग – 5 से 7 मिनट बाल वर्ग – 6 से 8 मिनट
4. कथा-कथन की विषय सामग्री के आलेख की तीन प्रतियाँ निर्णायकों के लिए तैयार करके लायें ताकि प्रस्तुति के समय उन्हें दी जा सकें।
5. यह कथा-कथन है। अतः इसमें हाव-भाव व आरोह-अवरोह कथन के अनुरूप होना अपेक्षित है।

6. कथा-कथन के मूल्यांकन का आधार -

(क)	कथा की विषयवस्तु का चयन	-	10 अंक
(ख)	तथ्यों की प्रामाणिकता	-	10 अंक
(ग)	भाषा-शैली एवं रसानुभूति	-	15 अंक
(घ)	प्रस्तुतिकरण	-	10 अंक
(ङ)	समय सीमा का पालन	-	5 अंक
		कुल	50 अंक

7. प्रतियोगिता के समय प्रतिभागी विद्यालय वेश में ही रहें।
8. कथा का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी रहेगा।
9. तीनों निर्णायक अंकपत्रों पर व्यक्तिगत रूप से अंक देंगे। तीनों निर्णायकों के अंक जोड़कर औसत आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय परिणाम घोषित किए जाएँगे।

द्रष्टव्य – अखिल भारतीय स्तर पर क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त विजेता ही भाग लेंगे।
– निर्णायकों को व्यवस्थापक नियमों से परिचित कराएँगे।
– निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अंतिम होगा।

आशु (तात्कालिक) भाषण प्रतियोगिता
(किशोर एवं तरुण वर्ग के छात्र भैया/बहिनों के लिए)

संस्कृति बोध परियोजना के आयाम में आशु (तात्कालिक) भाषण प्रतियोगिता भैया/बहिनों में चिन्तन, भाषण कला तथा मौखिक रूप से विचार पल्लवन में निपुणता लाने की दृष्टि से आयोजित की जाती है। यह प्रतियोगिता विद्यालय स्तर से संकुल, प्रान्त, क्षेत्र एवं अखिल भारतीय सभी स्तरों पर आयोजित होगी।

नियम -

1. आशु भाषण प्रतियोगिता निम्नलिखित दो वर्गों के भैया/बहिनों के लिए आयोजित होगी -

   ● किशोर वर्ग- कक्षा 9-10; ● तरुण वर्ग - कक्षा 11-12

   उपरोक्त दोनों वर्गों में केवल निर्धारित कक्षाओं के छात्र भैया/बहिन ही भाग ले सकेंगे।
2. इस प्रतियोगिता में किशोर एवं तरुण इन दोनों वर्गों में विभिन्न समसामयिक विषय (Current Affairs) पर उठाई गई दो पर्चियों के आधार पर किसी एक विषय पर तात्कालिक भाषण देना होगा। विचार संयोजन के लिए केवल 3 मिनट का समय दिया जाएगा।

3. समय सीमा - किशोर वर्ग, तरुण वर्ग – 6 से 8 मिनट

4. मूल्यांकन -

(क)	विषय की पूर्णता	- 15 अंक
(ख)	क्रमबद्धता	- 5 अंक
(ग)	तथ्यों की प्रामाणिकता	- 10 अंक
(घ)	भाषा शैली एवं प्रस्तुति	- 15 अंक
(ङ)	समय सीमा का पालन	- 5 अंक
		कुल 50 अंक

5. माध्यम – हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी

6. तीनों निर्णायक अंकपत्रों पर व्यक्तिगत रूप से अंक देंगे। तीनों निर्णायकों के अंक जोड़कर औसत आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय परिणाम घोषित किए जाएंगे।

द्रष्टव्य – अखिल भारतीय स्तर पर क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त विजेता ही भाग लेंगे।
– निर्णायकों को व्यवस्थापक नियम से परिचित कराएँगे।
– निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अंतिम होगा।

मूर्तिकला प्रतियोगिता
(बाल एवं किशोर वर्ग के छात्र भैया/बहनों के लिए)

कक्षा 6 से 10 तक की कक्षाओं में पढ़ने वाले भैया बहिनों में शिल्प कला के प्रति रुचि जागृत करने व उसमें निपुणता लाने हेतु यह विधा जोड़ी गई है। प्रतियोगिता के नियम इस प्रकार हैं :-

1. यह विधा केवल बाल एवं किशोर वर्ग के भैया-बहिनों के लिए रहेगी।
2. मूर्तिकला में केवल मिट्टी का प्रयोग ही करना है। इसके अतिरिक्त सिंथेटिक, क्ले एवं कोई और सामग्री का उपयोग नहीं करेंगे।
3. मूर्ति का आकार : बाल वर्ग – 5 से 7 इंच, किशोर वर्ग – 9 से 12 इंच। सभी छात्र मूर्ति के आकार, साफ सफाई एवं सौन्दर्यबोध को ध्यान में रखते हुए कार्य करेंगे।
4. साँचे का उपयोग न हो।
5. समय सीमा - 5 घण्टे
6. मूर्ति के निर्माण हेतु 6 Feet X 6 Feet का स्थान निर्धारित रहेगा।
7. मूर्ति पर रंगों का प्रयोग नहीं होगा।
8. नवाचार के नाम पर विकृत स्वरूप नहीं स्वीकृत होगा।

9. मूर्ति निर्माण में लगने वाली सामग्री स्वयं लेकर आएँ। जैसे - मूर्ति निर्माण के टूल्स आदि।
10. मूर्ति के स्वरूप में मौलिकता रहे।
11. मूर्ति की सजावट के लिए अन्य सामग्री का उपयोग नहीं करना।
12. मूर्ति बनाने हेतु मिट्टी तैयार करने के समय को मूर्ति निर्माण के समय में नहीं जोड़ा जायेगा।
13. पहले से कुछ हिस्सा बना हुआ न हो।

मूर्तिकला के विषय - बाल वर्ग – पशु, पक्षी।
किशोर वर्ग – मजदूर, किसान, ग्रामीण महिला।
मूल्यांकन के बिन्दु - 1. आकार गठन, 2. स्वरूप की मौलिकता, 3. सौन्दर्य बोध, 4. रूपांकन (नाक और चेहरा, भंगिमा, मुंह, हाथ, प्रत्येक अंग की बनावट)।

लोक नृत्य प्रदर्शन

लोकनृत्यों के संवर्द्धन हेतु संस्कृति महोत्सव में यह विधा जोड़ी गई है। इसके नियम इस प्रकार हैं–

1. लोकनृत्य में संस्कृति का मूलभाव बना रहे।
2. लोकगीत, लोक संगीत, लोकवाद्य आदि का समावेश हो।
3. वाद्य बजाने वालों की संख्या सहित लोकनृत्य में कुल–15 संख्या हो। इसमें गायन वाले भी सम्मिलित हैं।
4. लोक नृत्य में वेशभूषा भी उस क्षेत्र की मूल संस्कृति के अनुरूप अर्थात पारंपरिक हो, नृत्य की प्रकृति के अनुरूप हो। उसी के अनुरूप रूप–सज्जा भी हो।
5. लोकगीत के बोल उस क्षेत्र की मूल संस्कृति के भाव को प्रदर्शित करने वाले हों।
6. संगीत रिकार्ड किया हुआ नहीं होना चाहिए। कैसेट/सी.डी. या अन्य किसी माध्यम पर नहीं हो।
7. इस नृत्य में वाद्ययंत्र व गायन विद्यालय के भैया/बहिनों द्वारा ही होगा। आचार्य/दीदी द्वारा गायन–वादन नहीं होगा।
8. समय सीमा 10 मिनट रहेगी।
9. क्षेत्र स्तर पर चयनित दल ही अखिल भारतीय महोत्सव में भाग लेंगे। **महोत्सव में लोकनृत्य की प्रतियोगिता नहीं होगी केवल प्रदर्शन होगा।**
10. वाद्य यंत्र और लोकनृत्य में लगने वाली समस्त आवश्यक सामग्री साथ लेकर आएं।

11. ऐसी सामग्री जो साथ नहीं ला सकते, उसकी पूर्व सूचना आयोजन स्थल पर देने से व्यवस्था हो सकेगी।
12. मंच 20x30 का होगा, उस पर मंचन हो सके ऐसा अभ्यास करवायें।

पत्रवाचन – आचार्य वर्ग के लिए

विषय : हमारे परिवार भारतीय संस्कृति के केन्द्र कैसे बनें?

(How can our families become the epicenter of Bhartiya Culture)

नियम –

1. इस कार्यक्रम में प्रत्येक क्षेत्र से चयनित एक आचार्य उपरोक्त विषय पर दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों का प्रयोग करते हुए अपना पत्र वाचन करेंगे। यह भाषण प्रतियोगिता नहीं है अतः लिखकर लाये आलेख को ही पढ़ना होगा।
2. समय सीमा 7 से 10 मिनट
3. माध्यम – हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी
4. मूल्यांकन –

(क)	तथ्य संग्रह एवं विषय सामग्री	–	10 अंक
(ख)	PPT का प्रयोग एवं पत्र से समन्वय	–	10 अंक
(ग)	अभिव्यक्ति एवं उच्चारण शुद्धि	–	10 अंक
(घ)	प्रस्तुति एवं संदर्भ	–	10 अंक
(ङ)	प्रश्नोत्तर एवं समय सीमा	–	10 अंक
	कुल	–	50 अंक

5. अपने पत्र वाचन की लिखित एवं चित्रमय सामग्री देना आवश्यक है।
6. सभी प्रतिभागी पुरस्कृत होंगे।
7. PPT में प्रयोग किए जाने वाले Text का font - Unicode ही रहेगा।
8. वीडियो क्लिप, मॉडल, चार्ट सहित सभी दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का प्रस्तुतीकरण PPT द्वारा ही करना अनिवार्य है। इसके अभाव में पत्र अमान्य हो जाएगा।
9. PPT के अतिरिक्त किसी चार्ट, फ्लैश कार्ड, मॉडल इत्यादि के प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।
10. निर्णायकों को अपने पत्र की 3 प्रति देना अनिवार्य होगा।
11. यह पत्रवाचन है। अभिनय या भाषण प्रतियोगिता नहीं। पत्र पढ़ें और उसके साथ जुड़ी दृश्य सामग्री (PPT) को इंगित करें।
12. तीनों निर्णायक अपने व्यक्तिगत अंक देंगे। तीनों के अंक जोड़कर औसत आधार पर परिणाम घोषित किए जाएंगे।

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित

Organised by Vidya Bharti Sanskriti Shiksha Sansthan

विद्या भारती अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव

परिचय पत्र

प्रतिभागी का अद्यतन चित्र

प्रतियोगिता का नाम ------------------------ वर्ग -----------

1. प्रतिभागी का नाम (Name of Paricipant) ----------------------
2. पिता का नाम (Father's Name) ----------------------------
3. जन्म तिथि (Date of Birth in Figures) ----------------------

   (शब्दों में) (in words) ---------------------------------
4. कक्षा (Class) ---------------- विद्यालय में प्रवेश तिथि (Date of admission in School) ----------------------------------
5. विद्यालय का सम्पूर्ण पता ------------------------------
   (Full Name and Address of the institution)

   ----------------------पिन (PIN) --------------------

   दूरभाष (Phone Number) विद्या. ------------ निवास-----------
6. प्रतिभागी के हस्ताक्षर (Sign. of Participant) -----------------------
7. कक्षाचार्य के हस्ताक्षर (Sign. of Class teacher) --------------------
8. प्राचार्य के हस्ताक्षर (Principals's Sign. & Seal) --------------------
9. प्रान्तीय संस्कृति बोध परियोजना संयोजक/मंत्री के हस्ताक्षर (Sign. of Prantiya S.B.P. Sanyojak or Mantri) -------------------
10. क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना संयोजक/क्षेत्रीय मंत्री के हस्ताक्षर (Sign. of Kshetriya S.B.P. Sanyojak or Kshetriya Mantri) ------------

परिणाम -----------	----------	---------
संकुल/जिला/विभाग समारोह	प्रान्तीय समारोह	क्षेत्रीय समारोह
ह० संयोजक ----------	----------	---------
(दिनांक सहित)		

संस्थान द्वारा प्रकाशित साहित्य की सूची

क्र.	पुस्तक	मूल्य
1	आप वास्तव में विश्व गुरु हैं	15.00
2	नैतिक शिक्षा	75.00
3	तेजोमय भारत	100.00
4	बाल किशोर बोध कथाएँ	50.00
5	प्रेरणा दीप-1	33.00
6	प्रेरणा दीप-2	53.00
7	प्रेरणा दीप-3	54.00
8	प्रेरणा दीप-4	54.00
9	हमारे राष्ट्र निर्माता-1	64.00
10	हमारे राष्ट्र निर्माता-2	48.00
11	भारत के प्रमुख विज्ञानाचार्य	33.00
12	भारत के प्रमुख गणिताचार्य	30.00
13	व्यावहारिक खगोल परिचय	39.00
14	मुद्रा विज्ञान	250.00
15	समर्थ गुरु रामदास	20.00
16	श्री माँ	30.00
17	भगिनी निवेदिता	15.00
18	श्री बाबा साहब आपटे	5.00
19	वन्दनीया मौसी जी	10.00
20	अमर क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद	40.00
21	आचार्य जगदीश चंद्र बोस (Eng.)	70.00
22	आचार्य जगदीश चंद्र बोस	70.00
23	भारतीय रसायनशास्त्र के भीष्म पितामह प्रफुल्ल चन्द्र राय	30.00
24	महाराजा कृष्णदेवराय	20.00
25	परमानंद माधवम्	15.00
26	सी.वी. रमन (अंग्रेजी)	45.00
27	सी.वी. रमन (हिन्दी)	45.00
28	महामना पंडित मदन मोहन मालवीय	45.00

क्र.	पुस्तक	मूल्य
29	बच्चों के स्वामी जी	10.00
30	भारतपुत्र विवेकानन्द	15.00
31	विश्वविजयी विवेकानन्द	15.00
32	स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा-विषयक विचार	90.00
33	शिक्षा-संस्कृति चिन्तन-प्रथम खण्ड	85.00
34	शिक्षा-संस्कृति चिन्तन-द्वितीय खण्ड	65.00
35	शिक्षा का स्वदेशी भाव	120.00
36	अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम	30.00
37	सामाजिक समरसता और हमारे संत	38.00
38	संस्कृति प्रवाह-1	10.00
39	अष्टादशश्लोकी गीता	15.00
40	शिशु शिक्षा : वर्तमान संदर्भ में	10.00
41	अर्चना	33.00
42	भारतीय शिक्षा के मूल तत्व	115.00
43	भारतीय शिक्षा के मूल तत्व (मराठी)	95.00
44	विद्या भारती की अभिनव पंचपदी शिक्षण पद्धति	200.00
45	विद्या भारती चिंतन की दिशा	180.00
46	भारतीय शिक्षा मनोविज्ञान के आधार	70.00
47	योग शिक्षा क्या, क्यों और कैसे?	45.00
48	वैदिक गणित निर्देशिका	134.00
49	वैदिक गणित निर्देशिका भाग-2	48.00
50	भारत में गणित की उज्ज्वल परम्परा कक्षा-9	30.00

क्र.	पुस्तक	मूल्य
51	भारत में गणित की उज्ज्वल परम्परा कक्षा-10	30.00
52	भारत में गणित की उज्ज्वल परम्परा कक्षा-11	30.00
53	भारत में गणित की उज्ज्वल परम्परा कक्षा-12	30.00
54	भारतीय गणितज्ञ एवं खगोलविद् आचार्य ब्रह्मगुप्त	55.00
55	विद्या भारती का लक्ष्य एवं एक आदर्श विद्यालय	60.00
56	हमारा लक्ष्य	15.00
57	विद्या भारती की विद्यालय संकुल योजना	12.00
58	बाल भारती	18.00
59	श्रीरामायण - सुभाषितामृतम्	8.00
60	जन्मदिवसोत्सव विधि (पुस्तक)	6.00
61	संस्कार केंद्र आयाम कृति व स्वरूप	20.00
62	संस्कार केंद्र गीत, कहानी व खेल	20.00
63	विद्या भारती संस्कार केंद्र प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम	20.00
64	घर ही विद्यालय	30.00
65	भारत के गीत गाओ	20.00
66	काव्य गीत बावनी	30.00
67	परिवारों में संस्कारक्षम वातावरण क्यों और कैसे?	10.00
68	विद्यालय सामाजिक चेतना के केन्द्र बनें	10.00
69	विद्यालय में संस्कारक्षम वातावरण	10.00
70	शिशु वाटिका पाठ्यक्रम एवं क्रियाकलाप	12.00

क्र.	पुस्तक	मूल्य
71	शिशु वाटिका व्यावहारिक आयाम	10.00
72	लालयेत पंचवर्षाणि, शिशु शिक्षा : दिशा एवं स्वरूप	10.00
73	विद्या भारती दिशा बोध	55.00
74	शिशु वाटिका : तत्व एवं व्यवहार	170.00
75	शिशु वाटिका एक दृष्टि में	7.00
76	दायित्वबोध - छात्रों में विकास के लिए विद्यालयीन गतिविधियाँ	50.00
77	बाल केन्द्रित क्रिया आधारित शिक्षा	55.00
78	दृष्टि बोध (सी.बी.एस.ई.) प्राचार्य सम्मेलन पत्रिका)	50.00
79	मानवतावादी और राष्ट्रवादी संत श्रीमंतशंकरदेव और माधवदेव	65.00
80	धरा पर लाये भगवद् भाषा	70.00
81	विभीषिका	120.00
82	एकात्ममानववादी शिक्षा दर्शन (पं॰ दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रणीत)	85.00
83	वैदिक गणित पाठयक्रम एवं प्रशिक्षण योजना	30.00
84	विद्या भारती खेलकूद निर्देशिका	75.00
85	वीरांगना रानी माँ गाईदिन्ल्यु	25.00
86	राभा जनजाति की लोककथाएँ	45.00
87	क्रांतिपथ के राही जनजातीय वीर	150.00
88	शिक्षण संस्थाएँ आयकर एवं न्यायालय	30.00
89	नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा पाठ्यक्रम	80.00
90	संगीत शिक्षा पाठ्यक्रम	25.00
91	संस्कृत शिक्षा पाठ्यक्रम	30.00
92	शरीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम	35.00
93	योग शिक्षा पाठ्यक्रम	40.00
94	नई शिक्षा नीति (2015)	20.00

क्र.	पुस्तक	मूल्य
95	श्रीमद्भगवद्गीता प्रश्नोत्तरी	35.00
96	प्रशिक्षण निर्देशिका	30.00
97	शुद्ध लेखन और हिन्दी का मानक रूप	30.00
98	छोटे वैज्ञानिक	250.00
99	अनुभूति(प्राचार्य सम्मेलन वृत्त)	100.00
100	एकाच मे	20.00
101	पूर्णस्य पूर्णमादाय ...	35.00
102	सो फिर भादों गरजी	35.00
103	सुर-सारंग	220.00
104	आर्ष साहित्य का संक्षिप्त परिचय	170.00
105	इजरायल में भारतीय वीरों की शौर्यगाथा	55.00
106	Indian Heroism in Israel	40.00
107	सब समाज साथ ले, ध्येय शिखर हम चढ़ें	33.00
108	भारतीय जीवन दृष्टि एवं वैश्विक संदर्भ में उसकी भूमिका	50.00
109	सबके लिए गीता	60.00
110	विद्यालयीन शिक्षा में क्रियाशोध	70.00
111	भगिनी निवेदिता (बहुरंगी)	75.00
112	मन चंगा तो कठौती में गंगा	30.00
113	पूंछरी कौ लौठा	55.00
114	शिक्षा में बोध चतुष्टय	37.00
115	माता जीवन-निर्माता	45.00
116	गीता अनुचिंतन	64.00
117	मन-सब शक्तियों का आगार	55.00
118	विश्व चैतन्य की अनुभूतियाँ	70.00
119	पर्यावरण और हम	60.00
120	ऐसे थे अपने भाऊराव देवरस	30.00
121	बालिका शिक्षा पाठ्यक्रम एवं निर्देशिका	60.00
122	हम बेटी भारतमात की	75.00
123	चंदा सुने कहानी	100.00
124	बापू से सीखें	35.00
125	हम निर्माणकर्ता हैं या सृजनकर्ता?	30.00
126	लोक की कथाएँ	33.00
127	पंचकोशात्मक विकास के पथ पर	25.00
128	प्रकृति माँ	30.00
129	सर्वांगी शिक्षण	50.00
130	जन्मदिन का उपहार	25.00
131	दादा-दादी की कहानियाँ	39.00
132	विज्ञान का अभ्यास, अपने आसपास	25.00
133	विश्वास की विजय	30.00
134	शैक्षिक चिंतन	135.00
135	अनुभूत शैक्षिक प्रयोग	80.00
136	ज्ञान की बात-1	70.00
137	ज्ञान की बात-2	70.00
138	ज्ञान की बात-3	64.00
139	आजाद हिन्द सरकार	35.00
140	नानक नाम जहाज है, चढ़ै सो उतरै पार	25.00
141	कथा जलियांवाला बाग की	20.00
142	स्वतंत्रता संग्राम के बाल बलिदानी	39.00
143	श्री स्वतंत्रते	86.00
144	बाल विनय पत्रिका	40.00
145	कहावतों की कविताएँ	40.00
146	परिवार हमारा	35.00
147	प्राण पुष्पों को चढ़ा, गाता हूं वंदे मातरम्	25.00
148	हम सरस्वती पुत्र	60.00

क्र.	पुस्तक	मूल्य
149	बाल गीता	60.00
150	भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय सांस्कृतिक भावना	100.00
151	पालकाय नमः	70.00
152	विश्व चैतन्य का विज्ञान	80.00
153	जगसिरमौर बनाएं भारत	35.00
154	देश के लिए जीना सीखें	30.00
155	कडुवा मुँह मीठी बातें	90.00
156	Eminent Mathematicians of Bharat	45.00
157	हिन्दुस्वातंत्र्यसूर्य : शिवाजी	40.00
158	तीर्थंकर महावीर	25.00
159	सत्य के प्रकाशक स्वामी दयानन्द सरस्वती	40.00

क्र.	पुस्तक	मूल्य
160	स्मृति ग्रन्थ-डॉ॰ सिन्हा	1500.00
	स्मृति ग्रन्थ-(पुस्तकालय सं)	2100.00
161	संस्कृति बोधमाला १	50.00
162	संस्कृति बोधमाला २	50.00
163	संस्कृति बोधमाला ३	50.00
164	संस्कृति बोधमाला ४	50.00
165	संस्कृति बोधमाला ५	50.00
166	संस्कृति बोधमाला ६	50.00
167	संस्कृति बोधमाला ७	50.00
168	संस्कृति बोधमाला ८	50.00
169	संस्कृति बोधमाला ९	50.00
170	संस्कृति बोधमाला १०	50.00

चित्र प्रकाशन

क्र.	चित्र	मूल्य
देवमाला		
1	ॐ	15.00
2	माँ सरस्वती	15.00
3	भारत माता	15.00
महान विभूतियाँ		
4	श्रीराम	15.00
5	श्रीकृष्ण	15.00
6	महावीर स्वामी	15.00
7	महात्मा बुद्ध	15.00
8	गुरुनानक	15.00
महान राजा		
9	राजा हरिश्चन्द्र	15.00
10	राजा शिवि	15.00
11	विक्रमादित्य	15.00
12	राजा कृष्णदेव राय	15.00
13	महाराणा प्रताप	15.00
14	छत्रपति शिवाजी	15.00
15	वीर छत्रसाल	15.00
16	दुष्यंत पुत्र भरत	15.00
17	भामाशाह	15.00

क्र.	चित्र	मूल्य
18	गुलाबराव महाराज	15.00
19	बाबा रामदेव	15.00
वीर बलिदानी		
20	अमर सिंह राठौर	15.00
21	वीर दुर्गादास राठौर	15.00
22	वीर बंदा बैरागी	15.00
23	वीर हकीकतराय	15.00
24	गुरुपुत्र फतेहसिंह, जोरावर सिंह	15.00
25	गुरु तेग बहादुर	15.00
26	गुरु गोविन्द सिंह	15.00
27	रामसिंह कूका	15.00
28	वीर पांड्यकट्टैबोम्मन	15.00
29	शहीद मंगल पाण्डे	15.00
30	वीर शंभुधन फुंगलो	15.00
31	शहीद खुदीराम बोस	15.00
32	अनन्त लक्ष्मण कान्हेरे	15.00
33	चन्द्रशेखर आज़ाद	15.00
34	शहीद राजगुरु	15.00
35	शहीद सुखदेव	15.00

क्र.	चित्र	मूल्य
36	शहीद भगत सिंह	15.00
भक्त शिरोमणि		
37	भक्त प्रह्लाद	15.00
38	एकलव्य	15.00
39	मीराबाई	15.00
सन्त/महर्षि		
40	महर्षि वाल्मीकि	15.00
41	महर्षि वेद व्यास	15.00
42	जगद्गुरु शंकराचार्य	15.00
43	संत झूलेलाल	15.00
44	स्वामी रामानुजाचार्य	15.00
45	संत तिरुवल्लुवर	15.00
46	संत ज्ञानेश्वर	15.00
47	संत कबीर	15.00
48	संत रविदास	15.00
49	बसवेश्वर	15.00
50	भक्त सूरदास	15.00
51	चैतन्य महाप्रभु	15.00
52	गोस्वामी तुलसीदास	15.00
53	समर्थ गुरु रामदास	15.00
54	स्वामी दयानन्द सरस्वती	15.00
55	रामकृष्णपरमहंस	15.00
56	स्वामी विवेकानन्द	15.00
57	योगीराज श्रीअरविन्द	15.00
58	स्वामी रामतीर्थ	15.00
59	आचार्य चाणक्य	15.00
60	महात्मा ज्योतिबा फुले	15.00
61	माँ शारदा	15.00
62	भगिनी निवेदिता	15.00
63	वैज्ञानिक ऋषि भरद्वाज	15.00
64	महर्षि दधीचि	15.00
65	संत तुकाराम	15.00
66	नारायण गुरु	15.00

क्र.	चित्र	मूल्य
67	श्री रमण महर्षि	15.00
68	श्री माँ (अरविंद आश्रम, पाण्डिचेरी)	15.00
69	स्वामी भारतीकृष्ण तीर्थ	15.00
70	संत गंगादास	15.00
राष्ट्रनायक		
71	कविगुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुर	15.00
72	पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर	15.00
73	सुब्रह्मण्य भारती	15.00
74	पू.मा.स. गोलवलकर (श्रीगुरुजी)	15.00
75	पू.बाला साहब देवरस	15.00
76	लोकमान्य तिलक	15.00
77	पंडित मदन मोहन मालवीय	15.00
78	लाला लाजपत राय	15.00
79	महात्मा गांधी	15.00
80	सरदार वल्लभभाई पटेल	15.00
81	बिरसा मुण्डा	15.00
82	स्वातंत्र्य वीर सावरकर	15.00
83	डॉ.के.ब.हेडगेवार	15.00
84	डॉ.अम्बेडकर	15.00
85	सुभाषचन्द्र बोस	15.00
86	सर्वेपल्लि डॉ. राधाकृष्णन	15.00
87	भाऊराव देवरस	15.00
88	लाचित बड़फुकन	15.00
89	पं.दीनदयाल उपाध्याय	15.00
वीर नारियाँ		
90	कण्णगी महासाध्वी	15.00
91	रानी दुर्गावती	15.00
92	कित्तूर की रानी चेन्नमा	15.00
93	माता जीजाबाई	15.00
94	रानी लक्ष्मीबाई	15.00
95	महारानी अहिल्याबाई	15.00
96	माता पन्नाधाय	15.00
97	हाडा रानी इंदरकवर	15.00

क्र.	चित्र	मूल्य
98	अमृता देवी बिश्नोई	15.00
वैज्ञानिक		
99	विश्वकर्मा	15.00
100	कपिल	15.00
101	कणाद	15.00
102	नागार्जुन	15.00
103	चरक	15.00
104	सुश्रुत	15.00
105	आर्यभट्ट	15.00
106	वराहमिहिर	15.00
107	भास्कराचार्य	15.00
108	जगदीश चन्द्र बसु	15.00
109	एस. रामानुजम्	15.00
110	चन्द्रशेखर वेंकटरमण	15.00
111	भगवान धन्वन्तरि	15.00
112	अभिनव गुप्त	15.00
प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं मन्दिर		
113	ब्रह्मसरोवर, कुरुक्षेत्र	15.00

क्र.	चित्र	मूल्य
114	सोमनाथ मंदिर	15.00
115	सांची स्तूप	15.00
116	जगन्नाथ धाम	15.00
117	बद्रीनाथ धाम	15.00
118	केदारनाथ धाम	15.00
119	विवेकानंद शिलास्मारक	15.00
120	सूर्य मंदिर कोणार्क	15.00
121	स्वर्ण मंदिर	15.00
122	श्री कृष्णजन्मभूमि	15.00
123	द्वारकाधीश, द्वारका	15.00
124	अष्टादशश्लोकी गीता	15.00
सामूहिक चित्र (साईज 8"x18")		
125	ऊँ, माँ सरस्वती, भारतमाता	10.00
बड़े आकार के चित्र (साईज 24"x32")		
126	ऊँ	20.00
127	माँ सरस्वती	20.00
128	भारतमाता	20.00
129	हमारा लक्ष्य पोस्टर	20.00

नियम एवं शर्ते

- विद्या भारती साहित्य वर्तन : 500.00 रु. से अधिक साहित्य मंगवाने पर 20%, 2000.00 रु. से अधिक के क्रय पर 25% एवं 5000.00 से अधिक के क्रय पर 30% वर्तन दिया जाएगा।
- रुपये 500.00 से अधिक सहयोगी प्रकाशन के साहित्य पर वर्तन 10 % दिया जाएगा।
- किसी भी पुस्तक का पुनर्मुद्रण होने पर वह पुस्तक पर मुद्रित मूल्य पर उपलब्ध होगी।
- फुटकर चित्र साइज 18"x22" लेने पर मूल्य 15.00 रुपये प्रति चित्र, 124 चित्रों का पूर्ण सेट लेने पर 12.00 रुपये प्रति चित्र और ॐ, माँ सरस्वती एवं भारतमाता के चित्र साईज 24"x32" का मूल्य प्रति चित्र 20.00 रुपये GST अतिरिक्त है। नियमानुसार क्रेता को चित्रों पर 18% GST देय होगा।
- साहित्य भंडार में पुस्तक समाप्त होने पर पुनः मुद्रित कराकर साहित्य उपलब्ध कराया जाता है। ऐसी स्थिति में पुस्तक संशोधित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी।
- पैकिंग व प्रेषण का व्यय क्रेता को देना होगा।
- साहित्य क्रय आदेश के साथ धनराशि बैंक ड्राफ्ट/धनादेश/ बहुशहरी चैक द्वारा भेजें अथवा यह राशि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के 'विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान' के खाता क्र० 535402010000303 यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, गीता निकेतन शाखा, कुरुक्षेत्र, IFSC Code UBIN0553549 में जमा कराएं।
- किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र कुरुक्षेत्र होगा।

विद्यालय / प्रान्तीय / संस्कृति ज्ञान परीक्षा कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रति

Website : www.samskritisansthan.com
Email : sgp@samskritisansthan.org

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र द्वारा संचालित

संस्कृति ज्ञान परीक्षा (2024-25)

पंजीकरण एवं पुस्तक क्रय आदेश

परीक्षा माध्यम (हिन्दी / अंग्रेज़ी) : ------------- गत वर्ष का कम्प्यूटर कोड

विद्यालय का पूरा नाम: --

डाकखाना : ------------------------------ ग्राम/कालोनी: ------------------------------

जिला: ---------------------------- पिनकोड : राज्य : ---------------------

दूरभाष क्रमांक : एस.टी.डी. कोड : -------------------- विद्यालय -------------------- निवास ----------------------

ई मेल: -------------------------------------- मोबाइल --

प्रान्तीय समिति का नाम ---------------------------------- क्षेत्र का नाम -------------------------

कक्षा	छात्र परीक्षार्थी संख्या		संस्कृति बोधमाला पुस्तक मूल्य	राशि	
	विद्या भारती के विद्यालय	अन्य सम्पर्कित विद्यालय		रु०	पै०
तृतीया			50.00		
चतुर्थी			50.00		
पंचमी			50.00		
षष्ठी			50.00		
सप्तमी			50.00		
अष्टमी			50.00		
नवमी			50.00		
दशमी			50.00		
एकादशी			50.00		
द्वादशी			50.00		
योग					
विद्यालय अंशदान 4.00 रु० प्रति छात्र (-)					
योग (क)					

श्रेणी	आचार्य/अभिभावक संख्या		संस्कृति बोधमाला पुस्तक मूल्य	राशि	
	विद्या भारती के विद्यालय	अन्य सम्पर्कित विद्यालय		रु०	पै०
प्रवेशिका			60.00		
मध्यमा			60.00		
उत्तमा			60.00		
प्रज्ञा			100.00		
योग (ख)					
सर्वयोग (क+ख)					

उपरोक्त परीक्षार्थी कितने विद्यालयों के हैं -

1. विद्या भारती विद्यालय संख्या -
2. अन्य सम्पर्कित विद्यालय संख्या -

विशेष - यह फार्म केवल संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए है।

पुस्तक का मूल्य भेजने की प्रक्रिया

1. राष्ट्रीयकृत बैंक का बहुशहरी चैक या बैंक ड्राफ्ट **'विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान'** के नाम से **इस प्रपत्र के साथ** भेजें।
2. **राशि सीधे बैंक में जमा करने के लिए**

Step-1 वेबसाइट https://www.samskritisansthan.com को खोलें तथा निम्नलिखित अनुसार क्लिक करें -

Step-2 **''संस्कृति ज्ञान परीक्षा पंजीकरण''**

Step-3 SBI Collect

Step-4 Search by Institution / organisation name

Step-5 (टाइप करें) - *vidya bharti*

Step-6 Select- VIDYA BHARTI SANSKRITI SHIKSHA SANSTHAN

Step-7 Fill Form

Step-8 ☑ I have read and agreed to the Terms and Conditons

Step-9 Fill Captcha and click NEXT

Step-10 Select Payment Gateway and pay the amount

विशेष :

- फार्म में मोबाइल क्रमांक तथा सुनिश्चित स्थानीय पिनकोड भरना अनिवार्य है।
- ट्रांसपोर्ट से साहित्य प्राप्त करने हेतु विद्यालय के पैन कार्ड अथवा प्राचार्य जी के आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति अवश्य संलग्न करें।

इस फार्म के सभी रिक्त स्थान पूर्ण रूप से भरे गए हैं इसकी पुष्टि की जाती है।

नाम.. हस्ताक्षर व मुहर

मोबाइल .... केन्द्राध्यक्ष/प्रधानाचार्य

केवल कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रयोगार्थ

पंजीकरण कोड

पावती क्रमांक................................दिनाँक........................

राशि...................... कम/अधिक प्राप्त राशि....................

कृपया पृष्ठ उलटिये

विद्या भारती से सम्बंधित विद्यालयों का विवरण

क्र०	विद्यालय का नाम व पता (मोबाइल क्रमांक सहित)	छात्र संख्या	आचार्य संख्या
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			
	सर्वयोग		

अन्य सम्पर्कित विद्यालयों का विवरण

	विद्यालय का नाम व पता (मोबाइल क्रमांक सहित)	छात्र संख्या	आचार्य संख्या
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			
8.			

विशेष : यदि विद्या भारती से सम्बंधित अथवा सम्पर्कित, किसी भी श्रेणी के विद्यालयों की संख्या उपरोक्त (8) से अधिक है तो उनका विवरण पृथक से पृष्ठ पर इसी प्रारूप में संलग्न करें।

कुरुक्षेत्र कार्यालय के प्रयोगार्थ

सामग्री विवरण	डाक प्रेषण दिनांक	पैकेट
बोधमाला पुस्तकें	....	☐
प्रश्न-पत्र	....	☐
छात्र प्रमाण-पत्र	....	☐
आचार्य प्रमाण-पत्र	....	☐
पत्र प्रेषित	....	
विशेष		

क्र.	दिनांक	डाक प्राप्ति विवरण
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा
आचार्य सूची प्रपत्र

आचार्य परीक्षा श्रेणी : **प्रवेशिका/मध्यमा/उत्तमा/प्रज्ञा**

(प्रत्येक श्रेणी के लिए पृथक सूची बनायें तथा श्रेणी पर (✓) चिह्नित करें।

विद्यालय का नाम: --

पूर्ण पता : ---पिनकोड-----------------------

दूरभाष क्र॰ : विद्यालय (एस.टी.डी. कोड -----------) ---------------- निवास ----------- मोबाइल ----------

प्रेषित राशि का विवरण : राशि ------------------------ धनादेश/ड्राफ्ट क्र॰ ---------------------------------

डाकघर/बैंक का नाम ---------------------------------- दिनांक-------------------

क्र॰	आचार्य / दीदी का नाम	पिता का नाम	प्रवेशिका उत्तीर्ण वर्ष	मध्यमा उत्तीर्ण वर्ष	उत्तमा उत्तीर्ण वर्ष	हस्ताक्षर परीक्षार्थी	**कुरुक्षेत्र कार्यालय प्रयोगार्थ** परीक्षा अनुक्रमांक

50 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी ही उत्तीर्ण माने जाएँगे।

कम्प्यूटर कोड : ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर व मुहर

इस सूची का उपयोग आचार्य/अभिभावक/पूर्व छात्र/प्रबन्ध समिति पदाधिकारी/समाज बन्धु-इन सभी श्रेणियों के लिए किया जा सकता है।

छपी सामग्री **Book Post**/पुस्त-प्रेष

प्रतिष्ठा में,

....

....

....

प्रेषक :-

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान

संस्कृति भवन, गीता निकेतन विद्यालय परिसर,
सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

01744-251903, 270515
9812520301
sgp@samskritisansthan.org
www.samskritisansthan.com
vidyabhartikurukshetra
vbsss kkr
vidyabhartisss